664. निम्नलिखित में से कौन सी नदी 'कामधेनु नदी' के नाम से भी जानी जाती है?

(a) साबरमती (b) चंबल
(c) बनास (d) माही

Lab Asst. (Science) (II Step) 29.06.2022 Shift-I
48 LA2018_Question Paper Code-48

Ans. (b) : चंबल नदी को राजस्थान की 'कामधेनु नदी' भी कहा जाता है। प्राचीन काल में चंबल नदी को 'चर्मण्यवती' के नाम से जाना जाता था। अलनिया, बनास, पार्वती, काली सिंध, मेज आदि इसकी मुख्य सहायक नदियाँ हैं। यह नदी मध्य प्रदेश व राजस्थान के बीच अन्तरराज्यीय सीमा बनाती है।

665. यदि हम लूनी नदी के किनारे इसके उद्गम से अंत तक यात्रा करते हैं, तो हम इसकी सहायक नदियों को किस क्रम में पायेंगे?

(1) जवाई (2) बाण्डी
(3) सूकड़ी (4) गुहिया

कूट-
(a) 4, 3, 2, 1 (b) 4, 2,3,1
(c) 3, 2, 3, 1 (d) 1, 2, 3,4

VDO-2021 Exam Date 27.12.2021 Shift-I

Ans. (b) लूनी (साक्री, लवणवती, लवणाद्रि, मरु गंगा, खारी-मीठी) नदी का उद्गम अजमेर में अरावली श्रेणी के नाग पहाड़ियों से होता है, तत्पश्चात यह दक्षिणी-पश्चिमी राजस्थान के क्षेत्रों से बहते हुए कच्छ के रन में विलुप्त हो जाती है। इस नदी के उद्गम से लेकर अंत तक की सहायक नदियाँ हैं- गुहिया, जोजड़ी, बांडी, सूकड़ी, जवाई, खारी एवं सागी। यह नदी अपने उद्गम स्थान से बालोतरा तक मीठा पानी ले आती है, परन्तु बालोतरा के बाद स्थानीय मिट्टी के खारेपन के कारण इस नदी का जल खारा हो जाता है। इसकी लम्बाई लगभग 511 किमी. है। लूनी बेसिन राजस्थान के पश्चिमी मरूस्थल का एक भाग है। लूनी एवं उसकी सहायक नदियों के बेसिन को गोड़वार क्षेत्र (प्रदेश) के नाम से जाना जाता है, जिसका विस्तार जोधपुर, पाली, बाड़मेर, जालौर व नागौर जिलों तक है। इस क्षेत्र में जालौर-सिवाना की पहाड़ियाँ स्थित है जो ग्रेनाइट के लिए प्रसिद्ध है। लूनी बेसिन का उत्तरी भाग थली और पूर्वी भाग कालाभूरा डूंगर कहलाता है।

666. लूनी नदी का जल उद्गम से लेकर किस स्थान तक मीठा रहता है और उसके बाद खारा हो जाता है-

(a) समदड़ी (b) बालोतरा
(c) सिवाना (d) सांचौर

JEN Civil Degree Exam Date - 16.10.2016

Ans. (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

667. लूनी बेसिन को और किस नाम से जाना जाता है?

(a) शेखावाटी क्षेत्र (b) गोण्डवाना क्षेत्र
(c) मावली क्षेत्र (d) गोडवार क्षेत्र

कनिष्क अभियन्ता (यांत्रिक) 13.12.2020, Code-80

Lab Asst. (Science) (II Step) 29.06.2022 Shift-I

Ans. (d) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

668. लूनी बेसिन की पूर्वी सीमा कौन सी है?

(a) उड़ीया पठार (b) छप्पन पहाड़ियाँ
(c) कालाभूरा डूंगर (d) भोराठ पठार

पुस्तकालय (लाइब्रेरियन) भर्ती परीक्षा- 2019

Ans. (c) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

669. 'लूनी बेसिन' राजस्थान के किस विस्तृत भू-आकृतिक विभाग का एक भाग है?

(a) पूर्वी मैदान (b) पश्चिमी मरुस्थल
(c) अरावली पहाड़ी प्रदेश (d) दक्षिण-पूर्वी पठार

LDC Exam 09.09.2018

Ans. (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

670. निम्नलिखित में से कौन सी नदी राजस्थान की बंगाल की खाड़ी अपवाह-तंत्र की नदियों में शामिल नहीं है?

(a) चंबल (b) लूनी
(c) बनास (d) बाणगंगा

JEN (Civil) Degree 2020 Date 12.09.2021
कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल)-2020

Ans. (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

671. बाड़मेर के तिलवाड़ा में लूनी नदी से _____नदी मिलती है।

(a) मिठड़ी (b) जवाई
(c) सूकड़ी (d) माही

कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती परीक्षा-2018

Ans. (b) जवाई नदी बाड़मेर के तिलवाड़ा में लूनी नदी से मिल जाती है।

672. कावास (बाड़मेर) में बाढ़ का पानी किस नदी से निकाला गया?

(a) रोहिली नदी (b) लूनी नदी
(c) खासी नदी (d) जवाई नदी

कनिष्ठ अभियंता (कृषि) सीधी भर्ती परीक्षा-10.09.2022

Ans. (b) कवास (बाड़मेर) में बाढ़ का पानी लूनी नदी से होकर गया। लूनी नदी को पश्चिमी मरुस्थल की गंगा व मारवाड़ गंगा के नाम से भी जाना जाता है।

673. लूनी नदी के प्रदूषण का प्रमुख स्त्रोत क्या है?

(a) रंगाई-छपाई उद्योग (b) ग्वार-गम उद्योग
(c) इन्जीनियरिंग उद्योग (d) हैन्डी क्राफ्ट उद्योगा

RPSC-2017

Ans. (a) : लूनी नी के प्रदूषण का प्रमुख कारण रंगाई-छपाई उद्योग है।

674. वह नदी जो राजस्थान में दक्षिण से प्रवेश करने के उपरान्त पश्चिम की ओर बहती हुई पुनः दक्षिण की ओर मुड़ जाती है-

(a) माही (b) काली सिंध
(c) चम्बल (d) लूनी

Lab Assistant Exam Date- 13.11.2016

Ans. (a) माही नदी मध्य प्रदेश के धार जिला मे विंध्याचल पर्वत से निकलती है। यह बांसवाड़ा जिले के खांटू ग्राम से दक्षिणी राजस्थान में प्रवेश करती है, यह बॉसवाड़ा और डूंगरपुर की सीमा बनाते हुए बहती है। इसके उपरान्त पश्चिम की ओर बहती हुई पुनः दक्षिण की ओर मुड़ जाती है और अंत में खंभात की खाड़ी में गिरती है। इसकी लम्बाई 583 किमी. है। माही नदी भारत की एकमात्र नदी है जो कर्क रेखा को दो बार काटती है। इसकी प्रमुख सहायक नदियाँ सोम, अनास, पनाम, जाखम, चाप, एरू, भादर, ईराऊ, हारन, मोरन आदि हैं। माही नदी का किनारा कांठल कहलाता है।